# सिलवासा नगर पालिका

दादरा एवं नगर हवेली

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

## गीला कचरा-सूखा कचरा रखें अलग अलग

### 1. गीला कचरा (WET GARBAGE)
प्लास्टिक बैग का उपयोग ना करे

### रसोई का कचरा
सब्जी/फल के छिलके/पकाया, बचा भोजन/अंडे के छिलके/चिकन, मछली व हड्डीयाँ/सड़े फल/सब्जीयाँ/भोजन के लिए इस्तेमाल किया गया टीशु पेपर/चाय बैग/कॉफी पाउडर पाउच/पत्ते की प्लेटें

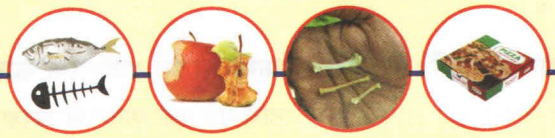

### बगीचे का कचरा
(केवल कम मात्रा में ही)

गीरे हुए पत्ते/छड़ी/पूजा के फुल/माला/घास आदि

### 2. सूखा कचरा (DRY GARBAGE)
(केवल पुनःउपयोगी बैग का प्रयोग)

### प्लास्टिक
(अगर गंदा है तो साफ किया जाना चाहिए)

प्लास्टिक के कव्हर/बोतलें/बक्सें/ चिप्स,टॉफी रैपर प्लास्टिक/कागज के कप/प्लेट दूध-दही के पैकट

### कागज
(अगर गंदा है तो साफ किया जाना चाहिए)

अखबार/पत्रिका/स्टेशनरी/ जंक मेल/गत्ता डिब्बे/पिज्जा बॉक्स् टेरा पैक

### धातु
(अगर गंदा है तो साफ किया जाना चाहिए)

पन्नी/कंटेनर/धातु के डिब्बे/कांच (देखभाल के साथ)
बिना टुटा हुआ ग्लास/जार/बोतलें

### अन्य सूखा कचरा
रबड़/थरमोकॉल/पुराने कपडें/ब्रश/स्पंज सौंदर्य प्रसाधन मिट्टी/लकड़ी के टुकड़े/ बाल/बड़ी मात्रा में नारियल के कवच (आंतरिक और बाहर दोनों)

### इलेक्ट्रॉनिक कचरा
(सावधानी के साथ अलग से सौंपे)

बैटरियाँ/सीडी/टेप/थर्मामिटर/बल्ब/ टयुब लाईट/सीएफएल बल्ब

कचरा निर्माण के जगह पे हीं अलग अलग रखें
पर्यावरण सुरक्षित रखने में आपका सहयोग दें।

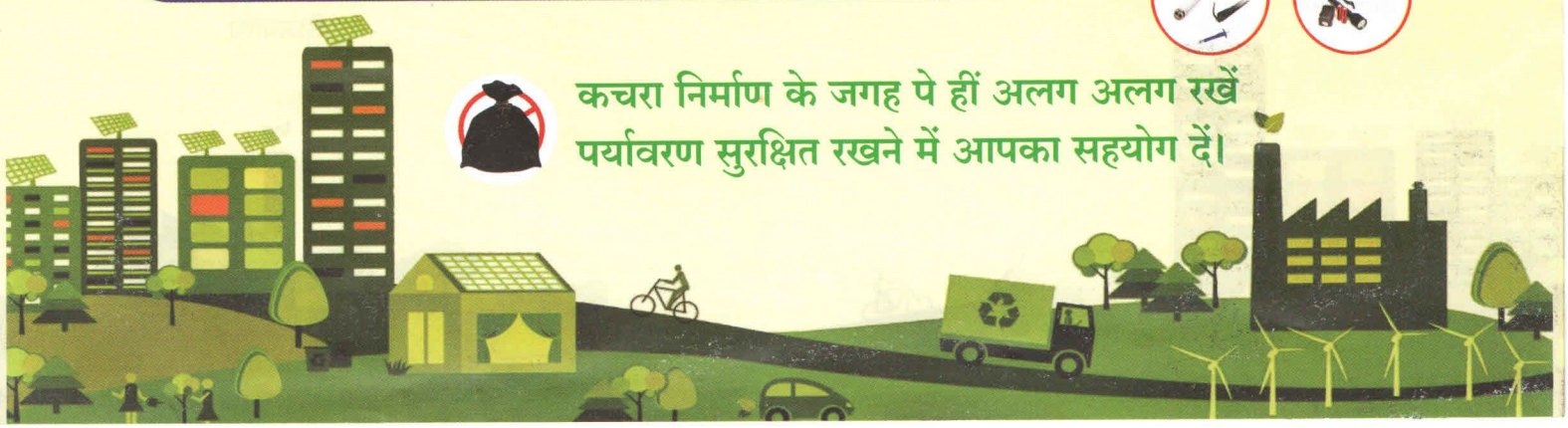

# सिलवासा नगर पालिका

## दादरा एवं नगर हवेली

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

प्यारे सिलवासा नगरवासियों

हम आपका ध्यान हमारे शहर की खतरनाक समस्या कि ओर आकर्षित करना चाहते हैं, और हमें यह विश्वास है, अगर हमे आपका साथ मिला तो हम इस समस्या का स्थायी समाधान खोज सकते हैं।

## क्या आपको पता हैं ?

सिलवासा शहर और आसपास से प्रतिदिन तक़रीबन ५० टन कचरा खरडपाडा गाँव में फेंका जाता हैं। यह कचरा अलग-अलग न होने से इसका कुछ नहीं किया जा सकता है। हम गैर-जिम्मेदाराना तरीके से कुडा-कचरा बाहर कुड़ेदान (डस्ट बीन) में फेंकते हैं, और पशू कुड़ेदान में डाले हुऐ कचरे को खाने के लिए उसे जमीन पर बिखेर देते हैं, जिसके कारण चारों तरफ गंदगी फैलती है। इस कचरे में मिला हुआ प्लास्टिक एवं अन्य हानिकारक पदार्थ खाने से प्रति वर्ष कितने ही पशू अपनी जान गवातें हैं।

## क्या आप जानते हैं ?

इस कचरे पर प्रकिया कर ख़ाद का निर्माण किया जा सकता हैं। गरीब सफाईकर्मी जो इस खतरनाक काम पर अपना जीवनयापन कर रहें हैं, उनका श्रम कम कर उन्हें बिमारियोंसे बचाया जा सकता हैं। आपके द्वारा उठाये गये एक कदम से खरडपाडा गाँव, उसके आसपास लगने वाले कचरे के अंबार से मुक्ति पाकर, खुली एवं शुद्ध सांस ले सकता हैं।

## हमें क्या करना हैं ?

अपने घर का गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखना है..... बस ! इतना ही काम !!! आपके द्वारा उठाया गया यह छोटासा कदम बडी कामयाबी दिला सकता है। याद रखिए सिलवासा नगर पालिका के इस अभियान से आपको न किसी प्रकार की असुविधा होगी, न हीं यह काम आप सिर्फ आपने लिए कर रहे हैं बल्कि आप अपने शहर को सुंदर बनाने जा रहे है.....

..... तो चलो,
चलो मिलकर लेते है यह शपथ,
अलग-अलग रखेंगे कचरे की आफ़त।

गीला और सूखा कचरा नहीं रखेंगे साथ,
सिलवासा को सुंदर बनाने में बढ़ाएंगे अपने हाथ ।।

अध्यक्ष
सिलवासा नगर पालिका
सिलवासा

मुख्य अधिकारी
सिलवासा नगर पालिका
सिलवासा